



2883



ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ वाग्वै न विना न च द्रव्यं न भूतं न गुणं  
व्यक् कलकं मनिमयः नानाप्रगन युञ्जालिनाश्च द्रव्यं न विना न भूतं न गुणं  
मः मत्वा मन्मा ऊः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ गुणं विजयिष्यामि सन्मन्मा ऊः नमः  
निकिप्रवसयन्तः लखन्तस्ते न विना जिनाश्च श्री गुरुभ्यो नमः ॥ लखन्तस्ते नमः  
नानाप्रगन मन्मा ऊः लखन्तस्ते नमः ॥ लखन्तस्ते नमः ॥ लखन्तस्ते नमः ॥  
लखन्तस्ते नमः ॥ लखन्तस्ते नमः ॥ लखन्तस्ते नमः ॥ लखन्तस्ते नमः ॥







ॐ नमः

वयस्यकासिनः श्रीगणेशमूनिव्रतध्यानाय नमः  
जयातिः वामकमलयातिः नमानिष्टाधर्मना  
दिनखित्वीतध्वजः वामककुटुकायानविचित्रवध्वानि  
कावूनिमानसनिमलहृदयाः सर्वसत्त्वउधालनमः  
भद्रसुगतव्रतसवितः तुक्कसुमननमाकृषदाता ॥ ॐ  
हनागनिवदयामकमा ० ॥ प्रियविण्मयः मनासर्गसयः  
मनननउधमि धारदालिमकसुमसंकामनरीताः ॐ नमः

ॐ नमः

उमलकात्रमनराः नमदसा ॥ ॐ ॥ हनागनाट ॥ ॐ नमः  
नमवयवकुटुमियवायनसुदुभीः ॐ द्वादशगुरु ॥ हलननुकिनन ॥  
ॐ वतुक्कदवीबात्रुलीमामकिदवी ॥ ॐ गनयमादिप्रमयनसुनन  
ॐ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥  
वकुवृद्धस्वयसगुक्कः सहस्रजागालिनेयाहवृत्रुहवृत्र ॥ ॐ  
सुनगुत्रवचनसिलगतधलियाः हनयिवाकवकुसुनासुनत्रय ॥ ॐ  
ॐ ॥ हनागगमात्रनेवि ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥



निवासियाल ॥ उ व ॥ अ दाधीसम्भत्राहगात्रऊगननिवासियाल ॥  
 मगसासंगनामदना ॥ यामयादउ द्वेसकवुक्काकान्ताः अयदयाद  
 हेलदकात्रलावि ॥ १ ॥ दंवीधीयनमामिषुकवर्कः गुदविनासिनी  
 वज्रयागिणी १ द ॥ यामयादउ द्वेसकवुक्काकान्ताः अयदयाद  
 ॥ १ ॥ दिगुजयकानममूककसिनगाः नीना रुत्रलनयजाधारी ॥ १ ॥  
 दहिनकप्रतिवासरयत्रध्वजः यत्रमाद्यवजनमथाधालिता ॥ १ ॥  
 ॥ १ ॥ दहिनकप्रतिवासरयत्रध्वजः यत्रमाद्यवजनमथाधालिता ॥ १ ॥

यामयाद

प्रमूउर ॥ १ ॥ दहिनकप्रतिवासरयत्रध्वजः यत्रमाद्यवजनमथाधालिता ॥ १ ॥  
 मद्रकाजाः दहिनकप्रतिध्वजः वामविष्णुला १ दा उ आरुत्रन रुमिन  
 दहिन ॥ १ ॥ सकप्रमात्रवजदर्थनिदहाः अत्रनत्रवदिन रुव रुय  
 हलधा ॥ १ ॥ दहिनकप्रतिवासरयत्रध्वजः यत्रमाद्यवजनमथाधालिता ॥ १ ॥  
 दहिनकप्रतिवासरयत्रध्वजः यत्रमाद्यवजनमथाधालिता ॥ १ ॥  
 नमामिनेत्रात्माः दिगुदममाताः वचुनादवीधीनमरुनिश्चयप्रसूनासूत्रवदि  
 नवनः अनगजद्विसिद्धिदयसादा ॥ नवनवमिदउद ननलवः अनगकुरु

अमिध्वजः

दिदकनगा



लज्जा रेवती

वज्रसिन्धु २१ ॥ आगमसिन्धु ॥ अमा ० ॥ हाउ आरुत्रल किंया लित्र  
सत्त्वलः प्रप्रयिक वा लित्र रसा १ शि य ला नम प्रिया ममानः मरुटक  
सदिर्गन्धरा ॥ ५ ॥ प्रप्रमात्रवमम्वत्रेयाः सहउसदलिभात्रकाला  
श्चदमवित्राजिलवजवायाहिः रुतामदिया लित्रमात्रा ॥ ५ ॥  
मालिलायन्यवत्रसहमयनः कयुत्ररप्रयिगाश्वात्रा १ गगधनित्रवा  
बुलवन्धित्रजाजः भत्रमलुलरवनिना ॥ ५ ॥ प्रियधनूखद्यंग  
आदिगत्रसमलः ययिसहयिगून्यरवठात्रा १ समवित्राजिलवजवा

लज्जा रेवती

त्राहिः रुक्मविष्णुदधिभूधरा ॥ ५ ॥ गत्रनिलिवावजयायियाव  
नः समयुत्रचत्रलआत्रा १ समयात्रामदरुलिगत्रमलुलसम्वत्रव  
जवात्राहि ॥ ५ ॥ २२ ॥ १ ॥ आगलाउगिनिगचकत्रिगाचकि १ मा  
दित्रदादिनीचद्यत्री १ यिथ्यंकात्रभूमाद्यसिद्धित्रननसंलात्र ॥ ५ ॥  
उयाहवत्रवजकवात्रः रवनहनकुदित्रनीलावर्णुसंलात्रवायत्रा  
तथमगनक ॥ ५ ॥ धात्रील ॥ ५ ॥ दि १ मात्राधिदत्रवदत्रवल्लुमूत्रुकत्रा  
गा ॥ ५ ॥ यक्षयायउधानि १ उमत्रवद्योगः समसत्त्वउधानीलज







नमो भगवते वासुदेवाय

वनप्राया अथ प्रविश ॥ ॐ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते  
निष्कृदिता विश्वनाथ विश्वनाथिकः विप्रं विप्रं मम हाकाराया जातः  
मिच्छन् निष्कृदिता अमिच्छन् विष्णु उगय यदा दक्ष कत्राया विष्णु न कित्र नार  
यिष्ठि न अथला ककत्र नय नाः वेनी सन्नाष्टाया वद सत्र ला ॥ ॐ ॥ माध  
व मायाय यस्व का प्रुद यिष्ठाया द ह लक्षः समत्र समायायाग विभाहा ध्या  
न प्राग संभादि न दहा ॥ ॐ ॥ नत्ता र ल नाय क नि न मो लीः क यत्र नाः  
पूल प्र न डु न का ला ॥ सूप न प्र नागाः वदि न च न नाः या य सूप न च न अचल

[A horizontal strip of lighter-colored paper or tape is pasted across the middle of the manuscript, partially obscuring the text on both pages.]

कष्टु वक्तु र्वा द श रू नः व्यापु च स ध त्र यि र्गै ल क ला ॥ ॐ ॥ च वि कृ लु  
ज क ॥ ॐ ॥ म व त्राः विरु नि विरु व न स नी ल जालं क ला ॥ ॐ ॥ गार वि  
प्र मि स न स रू ॥ न दि नाः प्रि तु व न स च त्रा च ल व क मू न्ति ॥ ॐ ॥ ॐ ॐ ॐ  
प्राग अ द त्रा ॥ मात्र माथ ॥ ह त्रि न क म ल मा ड त्र वि ण शि त्रा हूः का मा ग्नि म लु  
ल य वि स धि ता ॥ ॐ ॥ गी त्रि का म द व त्र नि च ड मा त्रा ॥ आ लि रु चा य यि शी का य व  
क त्रा या गा र व त्र दि ण कि तु ड चि व वि वि वः कृ षु व कृ च तु नान न गि न य ना ॥  
कृ षु म नि अ चि रु द वि ष व ड व ड म कृ ड म गि कृ लु ल स र हि ना ॥ ४ ॥ व ड क र्ति

नमो भगवते वासुदेवाय



कनूचकभरवदरवहनायप्रद्यावृचर्महविता ॥ ७ ॥ हनयिहवृकवज  
 गुनयसादः दनमासिदवीष्टाविष्यमाशापना ॥ ८ ॥ नाग ॥ नात्रमा  
 दविलसपनलविनासयिकशा ॥ ९ ॥ उथहजादामगुलत्राकगभः ॥ १० ॥ गगननि  
 वासियात्र ॥ ११ ॥ अमिया ॥ अमिया निपनपद ॥ १२ ॥ सहुजसुदनीलेयाजिनहु  
 प्रयविमनाचयिः ॥ १३ ॥ उगननिवासियात्र ॥ १४ ॥ अ ॥ अचउयागिनीहलम  
 वावजवात्रादिशूलिंगनकाल ॥ १५ ॥ नाचयिलजगननिवासियात्र ॥ १६ ॥ उथ  
 हुंगवादाकनूनकवात्रः ॥ १७ ॥ अयशूलिंगननित्रावर्कुवात्रः ॥ १८ ॥ नाचयिप्रजगन

दानदहाः दानयनियागुरु ॥ १९ ॥ अमनमात्रप्रह ॥ २० ॥ अहुंकात्रवल्लिथावि  
 यात्रः मगुलमात्रविष्यरुत्रप्रया ॥ २१ ॥ अ ॥ अत्राचनः दकिनत्रल  
 सैरवः यचिम ॥ २२ ॥ अमनाहजिनयायि ॥ २३ ॥ उरुत्रजमाद्यसिद्धि  
 माहु ॥ २४ ॥ अक्रात्य ॥ २५ ॥ यात्रिमात्रवउयावि ॥ २६ ॥ अ ॥ समाधिणीसम  
 यमाहु ॥ २७ ॥ कालचक्र ॥ २८ ॥ अहुविष्यरुत्रप्रह ॥ २९ ॥ नानावाधिसुशीवादकः ॥  
 मगुलमात्रविष्यकात्रप्रया ॥ ३० ॥ अ ॥ सिंदनादवाजियात्रः ॥ ३१ ॥ अमत्र  
 अहु ॥ ३२ ॥ अयागिनीमजि ॥ ३३ ॥ क्रियात्र ॥ ३४ ॥ जालश्रियूतक ॥ ३५ ॥ अमावयि



आख्य नूदन यायिना १ जिष्णु खर्ग वयद हिल कल धात्रिना ॥ २ ॥ वाम

2830



पञ्चमः प्रश्नः

श्रुतं च ४ ययि सयि मरुज श्री मखजः ७ नृ नृ नृ गगन समत्र नृ १२  
रजागमधममगाइरुमान ॥ वज्र भल यच वृद्ध मूनि वज्र लायाः गज मास  
नरुख मूडा श्रम लुल सुगुयार्थना साऊर लिः वमि व ला व ल्य ला व सम साः  
खग वज्र समय यय यः मदा मलुल सुगुया नयामि श्रमिंदा मनस्वि न य  
यनु इति वरुः अहि मथ सूर्य रु न दाय निरु त्र ल ध कयि न वरु द दिन  
वयद कयः अस्त्रा नृ विजा डि ना ग मदा मलुल लर मि सु गु ना य हूं श्र आ वा  
प्रेक दहि मम द्वि मि दि ॥ २ ॥ धर्म च डि प्र क वरु मयूत्रा मनस्वि नः ध्या न

पञ्चमः प्रश्नः

पञ्चमः प्रश्नः सयय कृष्ण लि य डि या ॥ ५ ॥ गुक्ता द व वलि ना य वि नृ  
व न धि न श्र म म ना य क स म या आ न दं ॥ ५ ॥ विप्र विप्र स्व प्र ल मः  
या आ न दं क न क म ना वरु द द या आ न दं ॥ ५ ॥ यय वृद्ध यं च क ल्य ल  
नृ य श्र द वा रु न न य म दि न द द या ॥ ५ ॥ अ ४ दूं दी र्वं (भा ध न क  
वि न श्र द म नृ द्य षा च नि वि प्र मा न दं ॥ ५ ॥ गम धू मा ० ॥ उ य ॥  
वज्र मय ल मि वि ष्य धि य म लु लः म द नि व डि ल ॥ ५ ॥ व ल दूं र स य सा व ल  
मु मि नि वा स यः मा ल म य न स ना क य ॥ ५ ॥ म रु नि गूं र हूं र ॥ गृ द



यानमयारुमः वाधिविनामनयानलंनदसयिकरुमगावलमुदुःगय  
 मानुनवाधियदं ॥ ५७ ॥ उं सर्वनथागनयूजगयाऽथऽजागयामनकायाऽ  
 वननूययूयारुमदसिष्यायलिवकाः कमनकुलिषायविकमल ॥ ५८ ॥  
 कूसमउदकमकुठासनकमनःजिनकुलसमयाआचार्ययदःमनाशूजनद  
 यनसत्रकयःदण्डनमनियदहाखलं ॥ ५९ ॥ सनगुचलनकमनयन  
 दःयायिनशूनमहासूखंरननियिधूमनिमूनिनासूननःयनमामिषसदज  
 शूनडल ॥ ६० ॥ ॥ राजगन्धामाशी ॥ गानइजमानगनम४ दंआकात्रनवद

पूरसाधुमिसत्वउन्नात्रूननागा ननाहृं ननामनहृं १ धवयसुसंखिलिददव  
 पूरसत्रदससादियंकालनपूना ॥ ६१ ॥ ददआलिंगनजागधपूरवजद  
 षमूद्रात्रयमूनि ॥ ६२ ॥ मायाविदहलिनजगुसादियवजसत्वंयन  
 मज्जव ॥ ६३ ॥ यनयमूदितागीन ॥ १४ ॥ राजगन्धामाशी ॥  
 सरुजसजात्रुहृदयनायाद्रिगुवननाथाददिविनासा ॥ ६४ ॥ रज  
 यिमहायसगुकासिषक ॥ कमनकुलिषसंजागसंताव ॥ ६५ ॥ हानसात्र  
 यिनिर्दुकिदंनीकमनामहासूखदाता ॥ ६६ ॥ उद्धाधयगनादिपूषियो  
 गदिविषयायिनी

पूयवज्राः

सुखसुख



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

आगतः ददिन लाक श्वयः वज्रया नि हुं जादवी २ ऊ म्ब ल ऊ ल हु नि  
वर्णः वाम व न न शु क्त वर्णः ॥ श्री वि क्तु लि नि मा नि नि यः च दु स र्थ  
धा त्रि २ वाम न च्छु ष्ण ज य गा का रु सा च नु न वि द्वि ॥ ४ ॥ य द्वि मा नि  
रु दः ददिन पू र्ण रु दः य धि म न सं डाः वै ग व न २ गु फा गु गु फा स ल  
ख नि द तीः च दु का का भा द य दा गा ॥ ३३३ ॥ **जा ग रे ल व मा न धी ग इ उ**  
**मान ॥** धू मा गा त्री च दु क त्रा त्रीः ली ष ण पि र्ग य क ण वि न य ॥ १ २ ३ ४  
यि या रु क न स रु ग ण इ ति २ पु ना ना वि दा नू त ॥ म हा व लि य २ ३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

रु ऊ यि या रू रू रु क न क त्रा व २ स म या न क नु या म न्म न दे वा २  
व नु त्रि २ च दु म त्व व य न २ रु ऊ यि या रू रु क न त्रा व २ सि न क न  
क का न च्छु गा व लि ष्ण रु २ पू ष्ठि क न क न स मा क न ल रु ॥ ५ ॥  
पू र्ण म हा व लि यि रु व व मः म त्स्य मा न्म म ध न धि न आ न ॥ ६ ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ० ॥ **जा ग रे ल वि ॥ इ य ॥** य च न धा ग न म त्रि  
या नः स म या च र्थ वि ष्ण रु २ द ण दि ग द ण व ल आ ल रु रु व न्क ॥  
दा न य नि या वि न्म नि न वा नू त रु ॥ ७ ॥ **रू रू वि न धी य ष्ण व लि**

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



लः यमगित्रीनिवासिना वासवविभाङ्गन इति नासनः पुनमा मि  
 डिनचकष्यत्री ॥ ॐ ॥ **गगददा ॥ मा ० ॥** ॐ आहं स्वता वमूत्रनिनीः  
 लजीमूतसकाशाश्च लम्बादलविनयना वात्रिवदनरयंकता ॥ ॐ  
 दक्षीमहाकालहंकात्रमूत्रनिश्मद्विसिद्धिवप्रदाताश्च कत्रनिखयत्रवर्ग  
 विष्णुलमात्रदर्थसंदात्रिता ॥ ॐ ॥ त्रियूहदथायत्रियल्लिदाद्यायुच  
 भिमूलुमालाश्चोत्रिअकारा डिनवत्रागासनयात्रिनमहावीत्रा ॥ ॐ ॥  
 दक्षकगाललात्रडिङ्गाहुरुकूटेउड्डकलाश्च जर्गभूहप्रवर्षविनदहाही

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ध्यानातिरुमकता ॥ ॐ ॥ श्रीदक्षमहाकालविभुवनयायिनदवास्  
 ननत्रसविनाश्च मगुत्रवप्रवर्षाणागाङ्गनः चत्रवकमलवदिता ॥ ॐ  
 गगगात्रावलिदात्रा मा ० ॥ लम्बाकत्रनलम्बादत्रविनयनाश्च लक्ष्म  
 लस्त्रसिद्धलयिता ॥ ॐ ॥ तनाताश्च द्यायननडनदाथयत्रसूध  
 वाश्चरुजमूलश्रुक्सूधधात्रिता ॥ ॐ ॥ निनमूनीमादनी आकः  
 र्चनीश्च आदिमध्यान्कषुहकल्यानमिता ॥ स्वगमल्ययागालविभु  
 रवनेश्च गलयनीयूजिप्रसर्वकार्यसिद्धि ॥ ॐ ॥ गगमन्नाद ॥ ॐ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



卷之三

नमो वदनत्रयमकुटशूलं कृताः चतुर्भुजं त्वर्गं यस्मिन् कथं प्रधनं ध्वनी ॥  
 ॐ ॥ नमामि मं इष्टीयमनस्यैव त्राश्च दहिनगणयमिदमग्रीमहाका  
 प्रः सगणमशुलमायुक्तमिदमिदं ॥ ॐ ॥ इष्टिसंदात्राया विष्टव्या  
 यिनाः शूलमहालयवद्व्याश्रितमिदं दत्तना ॥ ॐ ॥ वज्रध्वजयसात्रि  
 दामरनयियाश्च गुप्तत्रयभात्रा सिद्धिदत्रयसादा ॥ ॐ ॥ नमो गुर्जनी  
 मा ॥ ॐ ॥ शूलमलद्विदलसंप्राप्तविज्रजिनाश्चिह्नं वनसचत्राय लज्जकत्रया  
 ॥ ॐ ॥ दाकिनीनायकं देवाय नीश्वरीदवीप्रियककिप्रिहवमागा ॥ १

卷之四

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥



पुनिसायाः

याः सा हि मा त्रय उ य क थ वि या न ॥ ॐ ॥ आ ग व ली न ॥ इ ह न ज्ञान य  
 पूर्व दि ग रु र ग स ह ज नीः इ ह न इ न रि न रि य श स नी र कृ ष्ण व र्ण स र  
 सा ह स य न र्द नीः या व सि ष्ण व र्ण धा त्रि ॥ ॐ ॥ न मा मि र धी म दा  
 या न स य द यीः इ ह न र्ज सा या ग य क थि र्द र्श न व र्ण स र्वा हि नः  
 वि ष ण म ल ज य यार्क स ध्व वि ऊ यि य ॥ ॐ ॥ द क्रि ण दि ग रु मः  
 द्या वि ष मा ना म हा गा य वि ष म व द ना र्श का न स दा ज्ञान उ ह न स  
 ह रि ष वि या वि नः ॥ ॐ ॥ न मा मि र धी म दा ॥ ॐ ॥ य वि ष दि ग रु वि



नमो दुल्लभालोककेशु नारायणः कमुत्रिके लह नयिभाभाया  
 कनिका कया प्रकालिः मूढुमालह विमरः क (धरवदार्ग कया ल  
 ह नयिसत्र नवजु वावु विदासा धीवजु यागीनि वनदय मा द  
 जाग संयमि रमा माट वन क नयि ग विद व संजा प्रह दिन क  
 गवा हव नउ नवीर लग न क नउ न निनि नय (नः मा व च  
 दवी क प्रमि क गाल धना ॥ ॐ ॥ ह विम न प्रमि व मा य  
 दि म व वा ऊ यि ना वृ यिः सह ज सं प्र वि वि द सी क ल नि

विमरः

यवि सः खा ल विद्वज सह दिया गय हं ॥ ॐ ॥ गु वृ उ य  
 या द हि म गाना सं सा व समूदा ॥ ॐ ॥ १२ ॥ १२  
 प्रिय प्रय मथ नि प्र वि न क प्रा यि र द मा आ लिंग ल मू व न  
 रुदि क ण मि व सा र उ दि न गू ना रि र जू न हा स द कि नि य  
 नि सिं ह स ग मि र प्र धि य य न न य लि त उ क ॥ न वे का य  
 इ ह व प्रा व उ या य यि य र्व र म म सं क न क र म नि ना नि र  
 सु ख ली या ॥ ० ॥ १० ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥

यि प्रय मथ नि



हावादि यं न अयं न गवता त्रलिः ॐ उरु न कृत्तु वः विविधिन न ना  
 संयुक्त्या २ या उयदियं नाउ यदियं नाउ यदियं नाउ यदियं नाउ  
 न नायु नय न नाः अय लन ना मु न नाः व गै न ल म निल न ना च  
 ल न नाः वा स च नि धान संयुक्त्या २ ॥ २ ॥ ग व य न उ नि ना न मा ल  
 अनिल अनिल न कृत्तु व न मा नः भ न म ल न कृत्तु व ना या २ व कृत्तु व न  
 ल न कृत्तु व ना या २ व कृत्तु व ना या २ व कृत्तु व ना या २ व कृत्तु व ना या २

सन्मदः लक्षणं अलिगमद्वन्द्वलियियाश्चकवाजादिअलिगमम  
नृधलियियाश्चकनिमविपंविमम्वचकदिहर्गदिहर्गुमममममम  
अनूहनसर्वदवज्जवादगदिगमत्रनिवयनसहावा॥ १॥ हवनन  
वनामस्यत्रयसादिलः रूलिगमत्रकाकात्रश्चुदिनिसिसनगुत्र  
वाजागुगः अदिग्यत्रलवहावश्चकलामत्रनहयवन्धनभावयः रु  
यमात्रगगलमहावा॥ १॥ अत्रागहलविनात्रदूकमानवाउ  
कुष्मात्रनविधियत्रयहात्राचकयामिहदवगनाश्चिविधिविडद